पाठ-१०

चंदन की सुगंध फैलाता-कर्नाटक प्रदेश

STUDY NOTES

विषय सारांश:

- कर्नाटक दक्षि भारत का एक प्रमुख राज्य है।
- भारत के ऐतिहासिक पन्नों पर इसका विशिष्ट स्थान है।
- चोला, पांड्या, पल्लव और राष्ट्रकूट राजवंशों ने कर्णाटक पर शासन किया है।
- चौदहवीं शताब्दी में होयसल वंश के राजाओं के मतभेद का फायदा उठाकर अलाउद्दीन खिलजी और मोहम्मद तुगलक ने आक्रमण कर कर्णाटक की कला और संस्कृति पर बुरा असर डाला।
- विजयनगर के राजाओं ने कर्णाटक पर सौ वर्ष से अधिक समय तक शासन किया।
- उसके उपरांत मुसलिम शासक हैदरअल्ली ने कर्णाटक के अलग अलग भागों को एकत्र किया।
- हैदरअल्ली के पुत्र टीपू सुलतान के समय में इस राज्य का 'मैसुर' पड़ा।
- यहाँ शैव-वैष्णव, बौद्ध तथा जैन धर्म का प्रचार – प्रसार है।
- शंकराचार्य तथा रामानुज का जन्म यहीं हुआ है।
- कर्णाटक का श्रवणवेलगोल का 'गौम्मटेश्वर' विश्व प्रसिद्ध है।
- 'हलेबीडू' और 'बैलूर' शिल्पकला के उत्तम नमूने है।
- यह प्रदेश चंदन वृक्ष के लिए जाना जाता है।
- मैसूर कला-संस्कृति के साथ-साथ रेशम के लिए भी प्रसिद्ध है।
- भारतरत्न की उपाधि से विभूषित डॉ विश्वैश्वरैया के द्वारा निर्मित 'मैसूर-वृंदावन उद्यान' पर्योटकों को मोहित करता है।
- यह प्रदेश कला, संस्कृति, साहित्य के अलावा आई.टी. और बी.टी. के लिए भी जाना जाता है।

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

अभ्यास के लिए:

मौखिक-

१. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास।

ऐतिहासिक	विशिष्ट	आक्रमण	विभक्त	सुविशाल
सौदंर्य	तकनीक	अद्‌भूत	मिसाल	अनूठा

२. कम से कम से उत्तर दीजिए।

क) कर्णाटक किसके लिए प्रसिद्ध है?

उ: कर्नाटक कला, संस्कृति और धार्मिक क्षेत्रों के लिए प्रसिद्ध हैं।

ख) कर्नाटक पर किसने शासन किया?

उ: कर्नाटक पर चोला, पांड़या, पल्लव और राष्ट्रकूट राजवंशों ने शासन किया।

ग) किसके काल में कर्नाटक का नाम मैसूर पड़ा?

उ: मुसलिम शासक टीपू सुलतान के काल में कर्नाटक का नाम मैसूर पड़ा।

घ) यहाँ किस धर्म का प्रभाव रहा?

उ: यहाँ शैव-वैष्णव, बौद्ध तथा जैन धर्म का प्रभाव रहा।

ङ) श्रवणबेलगोल में किसकी मूर्ति है।

उ: श्रवणबेलगोल में 'गोम्मटेश्वर' की मूर्ति है।

लिखित-

१. रिक्त स्थान भरिए।

क) कर्नाटक पर विजयनगर के राजाओं ने **सौ वर्ष** से अधिक समय तक शासन किया।

ख) **धार्मिक** दृष्टि से कर्नाटक का विशेष महत्व है।

ग) सुनिरव्यात न्यायशास्त्री श्री विश्वैश्वरैया और धार्मिक नेता **बसवेश्वर** भी इसी राज्य के हैं।

घ) **हलेबीड़ू** और **बेलूर** शिल्पकला के उत्तम नमूने हैं।

२. सही (✓) या गलत (✗) का चिन्ह लगाइए।

क) कर्नाटक रेशम के लिए प्रसिद्ध वही है। (✗)

ख) कर्नाटक आई.टी. और बी.टी. में अग्रणी है। (✓)

ग) कर्नाटक चंदन वृक्ष के लिए प्रसिद्ध है। (✓)

घ) शंकराचार्य और रामानुज ने सद्‌भाव का प्रसार नहीं किया। (✗)

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क) विन राजाओं में मतभेद हुआ। किन्होंने आक्रमण कर कला और संस्कृति पर बुरा असर डाला?

उ: होयसल वंश के राजाओं में मतभेद हुआ और उसका फायदा उठाकर अलाउद्दीन खिलजी और मोहम्मद तुगलक ने आक्रमण कर कला और संस्कृति पर बुरा असर डाला।

ख) धार्मिक दृष्टि से कर्नाटक का क्या महत्व है? स्पष्ट कीजिए।

उ: धार्मिक दृष्टि से कर्नाटक का विशेष महत्व है। शैव-वैष्णव, बौद्ध तथा जैन धर्म का खूब प्रचार प्रसार है। यहाँ के संत शंकराचार्य और रामानुचार्य ने सद्भाव का प्रचार-प्रसार किया है।

ग) चंदन की लकड़ी क्यों प्रसिद्ध है?

उ: चंदन की लकड़ी अपनी सुगंध और औषधीय गुणों के कारण विश्व प्रसिद्ध है।

घ) मैसूर में कौन-सा उद्यान प्रसिद्ध है?

उ: मैसूर में 'मैसूर वृंदावन उद्यान' प्रसिद्ध है।

४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए।

क) कर्नाटक प्रदेश की जानकारी अपने शब्दों में लिखिए।

उ: कर्नाटक भारत के दक्षिण पश्चिम में स्थित राज्यों में से एक प्रमुख राज्य है। मुसलिम राजा टीपू सुलतान के शासन काल में इसका नाम मैसूर था। यह एक धार्मिक राज्य के रूप में जाना जाता है। यह राज्य प्राचीन कला और संस्कृति का केंद्र है। कर्नाटक रेशम और चंदन की लकड़ी के लिए भी जाना जाता है। आई.टी. और बी.टी. के क्षेत्र के यह एक अग्रणी राज्य है।

ख) कर्नाटक को कूल आठ ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। उनकी सूची बनाकर उनमें से किसी एक व्यक्ति का परिचय लिखिए।

उ: कर्नाटक राज्य के निम्नलिखित महान व्यक्तियों को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला।

- के.यी. पुत्तपा
- दत्तात्रेय रामचंद्र बेंद्रे
- के. शिवराम कारंत
- मस्ती वेंकटेश अयंगार
- वी.के. गोकक
- यू.आर. अनंतमूर्ति

- गिरिश कनांड
- चंद्रशेखर कम्बार

गिरीश कर्नड़- गिरीश कर्नड़ का पूरा नाम गिरीश रघुनाथ कर्नाड़ है। वे एक भारतीय अभिनेता, फिल्मनिर्द्दशक तथा लेखक थे। इन्हें कन्नड़ साहित्य के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला था। उनका जन्म १९ मई १९३८ को हुआ था। और मृत्यु १० जुन २०१९ को हुआ था। वे जन्म से मराठी थे। उनका परिवार कर्नाटक आने के बाद इन्होंने १४ वर्ष की उम्र में कन्नड सीखी। इन्होने कई हिन्दी फिल्मों में भी काम किया है। इन्हें पद्मश्री और पद्मभूषण उपाधि से भी सम्मानित किया गया था।

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

भाषा ज्ञान-

१. क) पूर्व में सूर्य **निकल रहा है।**

ख) श्रीकृष्ण ने युद्धभूमि पर अर्जुन को **उपदेश दिया।**

ग) गंगा हिमालय से **बहती है।**

घ) लोगों ने अन्याय का **विरोध किया।**

ङ) विद्यार्थी विद्यालय **पढ़ने जाते हैं।**

यहाँ रेखांकित शब्द कार्य करने अथवा घटना के होने का बोध करा रहे हैं, इन्हें क्या कहते हैं।

२. निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया पदों को रेखांकित कीजिए तथा लिखिए।

क)	बच्चे पढ़ने के लिए विद्यालय **जाते हैं।**	जाते हैं
ख)	गाय मैदान में घास **चर रही है।**	चर रही है
ग)	मॉ ने मोहन से सब्जी **मँगवाई।**	मँगवाई
घ)	सीता ने पाठ **पढ़ लिया।**	पढ़लिया
ङ)	अध्यापक ने **पाठ पढ़ाया।**	पाठ पढ़ाया

३. हिंदी में महीनों के नाम पढ़िए तथा याद कीजिए।

जनवरी - पौष	मई - वैशाख	सितंबर - भाद्रपद
फरवरी - माघ	जून - जेठ	अक्टूबर - आश्विन
मार्च - फाल्गुन	जुलाई - आषाढ़	नवंबर - कार्तिक
अप्रैल - चैत्र	अगस्त - श्रावण	दिसंबर - मार्गशीर्ष

४. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

अद्‌भुत - वाह! क्या अद्‌भुत दृश्य है।

कलात्मकता - कर्नाटक अपनी कलात्मकता के लिए प्रसिद्ध है।

संस्कृति - भारत की संस्कृति प्राचीन है।

सौंदर्य - कश्मीर से प्रकृतिक सौंदर्य भरा है।

ऐतिहासिक - कर्नाटक राज्य का का ऐतिहासिक महत्व है।

♦♦♦